अंतिम क्षणों में कान्हा राधा के साथ आना | By Kanchan Taneja

अंतिम क्षणों में कान्हा
राधा के साथ आना
तन छोड़ने से पहले
दर्शन मुझे दिखाना
अंतिम क्षणों में .....

नैनो में हो छवि तेरी
होंठों पे नाम तेरा
कानो में गूंजे मुरली
आये जब अंत मेरा
उस वक़्त मेरे मन से
विषियों को तुम हटाना
अंतिम क्षणों में .....

जब आत्मा का पंछी
पिंजरे में फड़फड़ाये
पर मौत मिलान की
चाहत में छटपटाये
मेरे चित को माया मोह की
फंदे से तुम छुड़ाना
अंतिम क्षणों में .....

गीता का श्लोक सुनकर
प्राणो का विसर्जन हो
तुलसी की पत्तियों से
अंतिम घडी सुगम हो
मिले मुक्ति मुझको मोहन
तुम गंगा जल पिलाना
अंतिम क्षणों में .....

मुझे बाँधने को माधव
यमराज ना पधारें
मेरे प्राण तुझमे रम के
दो लोक को सिधारें
मेरे पार्थिव तन को
अग्नि तुम्ही दिखाना
अंतिम क्षणों में .....

तूने ही इस मनुज को
जीवन की दी है शिक्षा
तेरी गोद में मरण हो
अंतिम यही है इच्छा
देखूंगी रास्ता मैं
मुझको ना भूल जाना
अंतिम क्षणों में .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%85%e0%a4%82%e0%a4%a4%e0%a4%bf%e0%a4%ae-%e0%a4%95%e0%a5%8d%e0%a4%b7%e0%a4%a3%e0%a5%8b%e0%a4%82-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a4%be-by-kanchan-tan/